न्यूज डायरी

मलाला यूसुफजई ने ऑक्सफोर्ड से पूरी की स्नातक की पढ़ाई, मनाया जश्न

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। शिक्षा कार्यकर्ता और नोबल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने शुक्रवार को ब्रिटेन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र, राजनीतिशास्त्र और अर्थशास्त्र में अपनी डिग्री पूरी की। उन्होंने शुक्रवार को जश्न मनाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात घाटी में तालिबानी आतंकियों ने मलाला के सिर में गोली मार दी थी। मलाला पर हमला लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करने पर किया गया था। इस घटना के बाद वह दुनिया भर में तालिबानी क्रूरता के शिकार लोगों का प्रतीक बन गईं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यूट के रिपोर्ट के मुताबिक, मलाला ने अपनी भावना व्यक्त करने के लिए ट्विटर पर अपने परिवार के साथ केक काट कर जश्न मनाने का तस्वीर को साझा किया। उन्होंने ट्वीट किया, 'ऑक्सफोर्ड में अपनी फिलॉसफी, पॉलिटिक्स और इकोनॉमिक्स की डिग्री पूरी की है, जिसकी मुझे बहुत ज्यादा खुशी है।

जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन ने ईरान पर परमाणु स्थलों तक पहुंच मुहैया कराने का बनाया दबाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। परमाणु ऊर्जा पर नजर रखने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के बोर्ड ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित कर ईरान पर दबाव बनाया कि वह उन स्थलों पर निरीक्षकों को पहुंच मुहैया कराए, जहां माना जाता है कि देश ने अपनी अघोषित परमाणु सामग्री का भंडारण या इस्तेमाल किया है। विएना स्थित अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (एआईईए) में रूस के राजदूत मिखाइल उल्यानोव ने ट्वीट किया कि उनके देश और चीन ने आईएईए बोर्ड की बैठक में बर्लिन, फ्रांस एवं ब्रिटेन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। उल्यानोव ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह प्रस्ताव प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।''इस हफ्ते के शुरू में एजेंसी के महानिदेशक मारियानो ग्रोस्सी ने चिंता दोहराई थी कि ईरान दो स्थानों पर जांच के लिये उसके निरीक्षकों को चार महीने से अनुमति नहीं दे रहा है।

ट्रंप का आईडीएफसी के बोर्ड में भारतीय–अमेरिकी को नामित करने का इरादा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम के निदेशक मंडल के सदस्य के तौर पर भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक देवेन प्रकाश को नामित करने की अपनी मंशा शुक्रवार को व्यक्त की। सॉफ्टवेयर निवेश कंपनी इनसाइट पार्टनर्स के प्रबंध निदेशक पारेख का नामांकन तीन साल के लिए होगा। पारेख 2016 से 2018 तक ओवरसीज प्राइवेट इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन बोर्ड में रह चुके हैं और 2010 से 2012 तक यूनाइटेड स्टेट्स एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट बैंक के सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। उन्होंने पिछले महीने पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए निधि जुटाने के डिजिटल कार्यक्रम की मेजबानी की थी। बाइडेन राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार हैं। पारेख पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के लिए भी निधि जुटाने के अहम कार्यक्रम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने यूरोप, इजराइल, चीन, भारत, लातिन अमेरिका और रूस में निवेश के लिए सक्रियता से काम किया है। भारत में उन्होंने भारतपे में निवेश समेत कई अन्य निवेश भी किए हैं।

चीन से तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया पर बड़ा सायबर अटैक, दूसरे देश पर हमले का शक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केनबरा। चीन से जारी तनाव के बीच ऑस्ट्रेलिया पर बड़ा सायबर हमला हुआ है। सायबर अपराधियों ने इस दौरान सरकारी, औद्योगिक, राजनीतिक संगठन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी वेबसाइट्स को निशाना बनाया। ऑस्ट्रेलिया ने किसी दूसरे देश पर हमले का शक जताया है लेकिन सीधे तौर पर चीन का नाम नहीं लिया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिशन ने कहा कि हमारे देश पर सायबर हमला कोई नई बात नहीं है लेकिन हाल के दिनों में इसमें काफी तेजी देखी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सायबर हमले के तरीके से साबित होता है कि इसे किसी देश की ओर से किया गया है। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर चीन का नाम लेने से इनकार कर दिया।

भारत संग टेंशन बढ़ा रहा कपटी चीनः यूएस

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने चीन पर बड़ा हमला बोला

आरोप

■चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को दुष्टता करने वाली पार्टी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने भारत के साथ सीमा पर चल रहे तनाव को लेकर चीन पर बड़ा हमला बोला है। पोंपियो ने कहा कि चीनी सेना भारतीय सीमा पर तनाव को भड़का रही है। उन्होंने चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी को दुष्टता करने वाली पार्टी करार दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब उन्होंने शुक्रवार को चीन के शीर्ष राजनयिक यांग जियाची से हवाई में मुलाकात की है। यह वही यांग जियाची हैं जो चीन की ओर से भारत के साथ सीमा विवाद पर मुख्य वार्ताकार हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री चीन की कम्युनिस्ट पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी नाटो जैसे संस्थानों के जरिए बनाई गई स्वतंत्र दुनिया को फिर से

पुराने ढर्रे पर ले जाना चाहती है। साथ ही नए नियम और मानक बनाना चाहती है जो पेइचिंग को शामिल करता है। पोंपियो ने कहा, श्चीनी सेना पीएलए ने भारत के साथ तनाव को बढ़ा दिया है जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतंत्र है।

दक्षिण चीन सागर का सैन्यीकरण कर रहा चीनः पोंपियो ने कहा, चीन दक्षिण चीन सागर का सैन्यीकरण कर रहा है और वहां पर अवैध रूप से और ज्यादा इलाके को अपना बता रहा है और समुद्री नौवहन को धमकी दे रहा है। पोंपियो इससे पहले गलवान वैली में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में भारतीय सैनिकों की शहादत पर दुख जताया था। यूरोप और चीन की चुनौती विषय पर एक वर्चुअल भाषण में पोंपियो ने कहा कि आशा के इस दौर में पिछले कई वर्षों से पश्चिमी देश यह मानते रहे हैं कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी बदल सकती है और चीनी लोगों के जीवन स्तर को लंबे समय तक के लिए सुधार सकती है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, इसके साथ ही कम्युनिस्ट पार्टी ने हमारी अच्छी राय का फायदा उठाया और दुनिया को यह आश्वासन दिया कि वे सहयोगी संबंध चाहते हैं। जैसाकि (पूर्व चीनी राजनेता) डेंग जियाओपिंग ने कहा था कि अपनी शक्तियों को छिपाकर रखो और अपने समय का इंतजार करो। मैंने अन्य मौकों पर कहा है कि यह क्यों हुआ। यह बहुत जटिल कहानी है। यह किसी की गलती नहीं है।

कम्युनिस्ट पार्टी ने हांग कांग में स्वतंत्रता को खत्म कियाः पोंपियो ने कहा कि पिछले कई दशकों से यूरोप और अमेरिका की कंपनियों ने पूरे उत्ह्साह के साथ चीन में निवेश किया। उन्होंने अपने सप्लाई चेन को शेनझेन जैसी जगहों पर भेजा। अपने शैक्षिक संस्थानों को पीएलए से जुड़े छात्रों के लिए खोला और चीन सरकार समर्थित निवेश को अपने देश में आने की अनुमति दी। लेकिन कम्युनिस्ट पार्टी ने हांग कांग में स्वतंत्रता को खत्म करने का फैसला किया।

मुंबई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा दोबारा अरेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लॉस एंजिलिस। मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमले की साजिश के मामले में अमेरिका में सजा काट चुके आतंकवादी तहव्वुर राणा को अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में फिर से अरेस्ट कर लिया गया है। तहव्वुर राणा को भारत भेजे जाने की 'प्रबल संभावना' है। मुंबई आतंकी हमले में वांछित पाक–कनाडाई मूल के तहव्वुर राणा के खिलाफ भारत प्रत्यर्पित करने का मामला लंबित है। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही उसे जेल से रिहा किया गया था लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने उसे दोबारा अरेस्ट कर लिया है। बताया जा रहा है कि भारत सरकार ट्रंप प्रशासन के 'पूरे सहयोग' के साथ पाकिस्तानी कैनेडियाई नागरिक के प्रत्यर्पण के लिए आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर रही है। राणा की जेल की सजा 14 साल की दिसम्बर 2021 में पूरी होने वाली थी लेकिन उसे जल्दी रिहा कर दिया गया था।

तहव्वुर राणा को मुम्बई 26/11 हमले की साजिश रचने के मामले में 2009 में गिरफ्तार किया गया था। लश्कर–ए–तैयबा के 10 आतंकवादियों की ओर से किए गए हमले में अमेरिकी नागरिकों सहित करीब 166 लोगों की जान गई थी। पुलिस ने नौ आतंकवादियों को मौके पर मार गिराया था। राणा को 2013 में 14 साल की सजा सुनाई गई थी।

भारत को जल्द फाइटर जेट देगा दोस्त रूस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) भारत के लिए खतरा बना चीनी ड्रैगन, नई दिल्ली। गलवान घाटी में 20 भारतीय सैनिकों की मौत के बाद भारत और चीन में तनाव बढ़ता जा रहा है। सीमा पर पाकिस्तान और चीन की दोहरी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना को लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना ने रूस से 21 नए मिग –29 और 12 Su&30MKI का प्रस्ताव सरकार के पास भेजा है। इस बीच रूस ने कहा है कि वह भारत की जरूरतों को देखते हुए जल्द से जल्द इन विमानों को और ज्यादा आधुनिक बनाकर भारत को सौंपने के लिए तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस और भारत सरकार के बीच होने वाली इस डील के लिए मास्को पूरी तरह से तैयार है।

कोरोना काल में पाकिस्तानी सेना पर बढ़ा दबाव, खतरे में इमरान खान की कुर्सी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी की कुर्सी पर संकट के काले बादल मंडराने लगे हैं। इस संकट के लिए कोई और नहीं बल्कि खुद पाकिस्थ्तान की सेना जिम्मेदार है जिसने उन्हें कुर्सी पर बैठाया था। कोरोना वायरस संकट को सही से नहीं संभालने को लेकर विपक्ष के निशाने पर चल रहे इमरान खान को लेकर अब सेना पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

खबरों के मुताबिक कोरोना वायरस संकट को ठीक ढंग से नहीं संभालने और राष्ट्रव्व्यापी लॉकडाउन को समय से पहले वापस लेने के इमरान खान के

अख्तर मंगल ने अपना समर्थन वापस लिया

विवादित फैसले से पाकिस्थ्तान इस महामारी का गढ़ बनता जा रहा है। पाकिस्थ्तान में जून की शुरुआत में एक लाख मामले थे और इसके इस महीने 3 लाख तथा जुलाई के अंत तक 10 लाख मामले पहुंचने का अनुमान है। पूरे देश में सेना को तैनात किया गया है।

विपक्ष के निशाने पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्रीः इमरान खान ने जिस स्मार्ट लॉकडाउन को लेकर भारत पर तंज कसा था, वही उनके लिए गले की फांस बनता जा रहा है। पाकिस्थ्तान के 20 शहरों में कोरोना की वजह से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली तबाही की कगार पर पहुंच गई है। कोरोना की जांच करने वाली प्रयोगशालाएं नमूनों से भरी हुई हैं। डॉक्टरों को डर है कि मॉनसून के आने के बाद कोरोना अपने चरम पर पहुंचेगा। माना जा रहा है कि उसी समय पाकिस्तान में टिड्डों का भी बड़ा हमला होने वाला है। इससे पाकिस्तान में खाने का संकट पैदा हो सकता है। इस पूरे संकट को लेकर विपक्ष के निशाने पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान आ गए हैं। इमरान के बुरी तरह से घिरने के बाद अब सेना भी जनता के निशाने पर आ रही है।

बुधवार को इमरान खान को समर्थन देने वाले अख्तर मंगल ने अपना समर्थन वापस ले लिया। मंगल बलूचिस्तान के पूर्व सीएम रह चुके हैं।

चीन का दावा–भारतीय सैनिकों ने पार की थी एलएसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को दावा किया कि गलवान घाटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीन की तरफ है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि 15 जून की शाम को भारतीय सैनिकों ने समझौते को तोड़ते हुए जानबूझकर एलएसी को पार किया और चीन के सैनिकों पर हमला किया। चीन के गलवान घाटी पर दावे से एक दिन पहले ही भारत ने गलवान घाटी पर चीनी सेना के संप्रभुता के दावे को खारिज कर दिया था और बीजिंग से अपनी गतिविधियां एलएसी के उस तरफ तक ही सीमित रखने को कहा था। गलवान घाटी पर चीन के संप्रभुता के दावे को भारत पहले ही खारिज कर चुका है। भारत का कहना है कि इस तरह का श्बढ़ा चढ़ाकरश किया गया दावा छह जून को उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता में बनी सहमति के खिलाफ है। मीडिया से बातचीत के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने 15 जून को पूर्वी लद्दाख में हिंसक झड़प के लिए एक बार फिर भारत पर दोष मढ़ा है। गलवान घाटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के चीनी हिस्से में आता है।